इंडिया टीवी .in
www.indiatv.in

श्री सरस्वती अष्टोत्तरनामावली

ॐ सरस्वत्यै नमः।
ॐ महाभद्रायै नमः।
ॐ महामायायै नमः।
ॐ श्रीप्रदायै नमः।
ॐ वरप्रदायै नमः।
ॐ पद्मनिलयायै नमः।
ॐ पद्माक्ष्यै नमः।
ॐ पद्मवक्त्रायै नमः।
ॐ शिवानुजायै नमः।
ॐ पुस्तकभृते नमः ॥10॥

ॐ ज्ञानमुद्रायै नमः।
ॐ रमायै नमः।
ॐ परायै नमः।
ॐ कामरूपायै नमः।
ॐ महाविद्यायै नमः।
ॐ महापातक नाशिन्यै नमः।
ॐ महाश्रयायै नमः।
ॐ मालिन्यै नमः।
ॐ महाभोगायै नमः।
ॐ महाभुजायै नमः ॥20॥

ॐ महाभागायै नमः।
ॐ महोत्साहायै नमः।
ॐ दिव्याङ्गायै नमः।
ॐ सुरवन्दितायै नमः।
ॐ महाकाल्यै नमः।
ॐ महापाशायै नमः।
ॐ महाकारायै नमः।
ॐ महांकुशायै नमः।
ॐ पीतायै नमः।
ॐ विमलायै नमः ॥30॥

ॐ विश्वायै नमः।
ॐ विद्युन्मालायै नमः।
ॐ वैष्णव्यै नमः।
ॐ चन्द्रिकायै नमः।
ॐ चन्द्रवदनायै नमः।
ॐ चन्द्रलेखाविभूषितायै नमः।
ॐ सावित्र्यै नमः।
ॐ सुरसायै नमः।

ॐ देव्यै नमः।
ॐ दिव्यालंकारभूषितायै नमः ॥40॥

ॐ वाग्देव्यै नमः।
ॐ वसुधायै नमः।
ॐ तीव्रायै नमः।
ॐ महाभद्रायै नमः।
ॐ महाबलायै नमः।
ॐ भोगदायै नमः।
ॐ भारत्यै नमः।
ॐ भामायै नमः।
ॐ गोविन्दायै नमः।
ॐ गोमत्यै नमः ॥50॥

ॐ शिवायै नमः।
ॐ जटिलायै नमः।
ॐ विन्ध्यावासायै नमः।
ॐ विन्ध्याचलविराजितायै नमः।
ॐ चण्डिकायै नमः।
ॐ वैष्णव्यै नमः।
ॐ ब्राह्मयै नमः।
ॐ ब्रह्मज्ञानैकसाधनायै नमः।
ॐ सौदामिन्यै नमः।
ॐ सुधामूर्त्यै नमः ॥60॥

ॐ सुभद्रायै नमः।
ॐ सुरपूजितायै नमः।
ॐ सुवासिन्यै नमः।
ॐ सुनासायै नमः।
ॐ विनिद्रायै नमः।
ॐ पद्मलोचनायै नमः।
ॐ विद्यारूपायै नमः।
ॐ विशालाक्ष्यै नमः।
ॐ ब्रह्मजायायै नमः।
ॐ महाफलायै नमः ॥70॥

ॐ त्रयीमूर्त्यै नमः।
ॐ त्रिकालज्ञायै नमः।
ॐ त्रिगुणायै नमः।
ॐ शास्त्ररूपिण्यै नमः।
ॐ शुम्भासुरप्रमथिन्यै नमः।
ॐ शुभदायै नमः।
ॐ स्वरात्मिकायै नमः।
ॐ रक्तबीजनिहन्त्र्यै नमः।

इंडिया टीवी .in
www.indiatv.in

ॐ चामुण्डायै नमः।
ॐ अम्बिकायै नमः ॥80॥

ॐ मुण्डकायप्रहरणायै नमः।
ॐ धूम्रलोचनमर्दनायै नमः।
ॐ सर्वदेवस्तुतायै नमः।
ॐ सौम्यायै नमः।
ॐ सुरासुर नमस्कृतायै नमः।
ॐ कालरात्र्यै नमः।
ॐ कलाधारायै नमः।
ॐ रूपसौभाग्यदायिन्यै नमः।
ॐ वाग्देव्यै नमः।
ॐ वरारोहायै नमः ॥90॥

ॐ वाराह्यै नमः।
ॐ वारिजासनायै नमः।
ॐ चित्राम्बरायै नमः।
ॐ चित्रगन्धायै नमः।
ॐ चित्रमाल्यविभूषितायै नमः।
ॐ कान्तायै नमः।
ॐ कामप्रदायै नमः।
ॐ वन्द्यायै नमः।
ॐ विद्याधरसुपूजितायै नमः।
ॐ श्वेताननायै नमः ॥100॥

ॐ नीलभुजायै नमः।
ॐ चतुर्वर्गफलप्रदायै नमः।
ॐ चतुरानन साम्राज्यायै नमः।
ॐ रक्तमध्यायै नमः।
ॐ निरंजनायै नमः।
ॐ हंसासनायै नमः।
ॐ नीलजङ्घायै नमः।
ॐ ब्रह्मविष्णुशिवात्मिकायै नमः ॥108॥